यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

16

राजू का भौंरा

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

सूरजपुर में सत्यम नाम का एक बढ़ई था।
वह तरह–तरह के भौंरे बनाकर बेचता था।

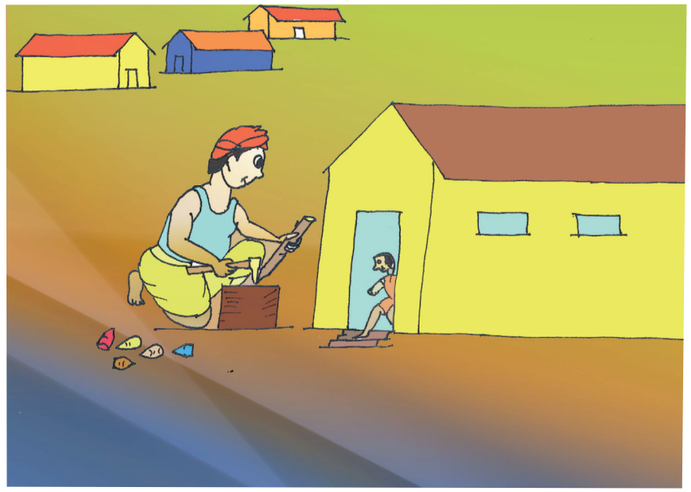

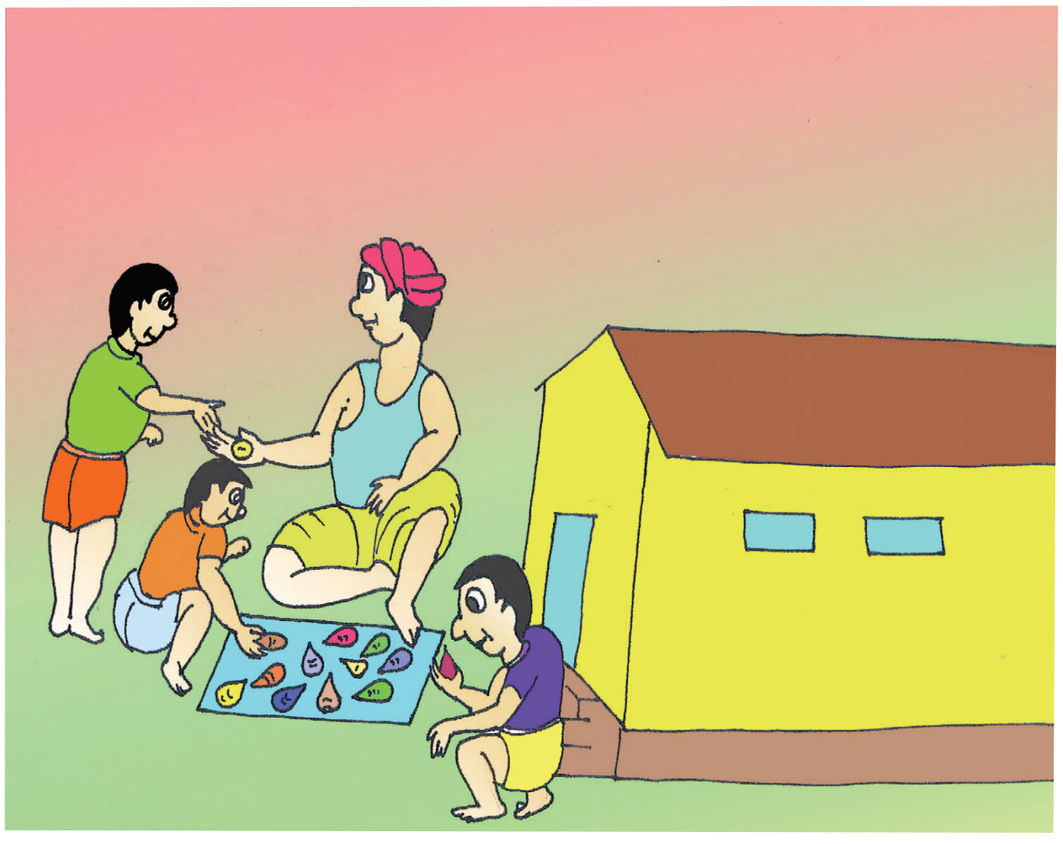

राजू ने भौंरा चलाने का खूब अभ्यास किया और
एक दिन वह भी भौंरा प्रतियोगिता जीत गया।

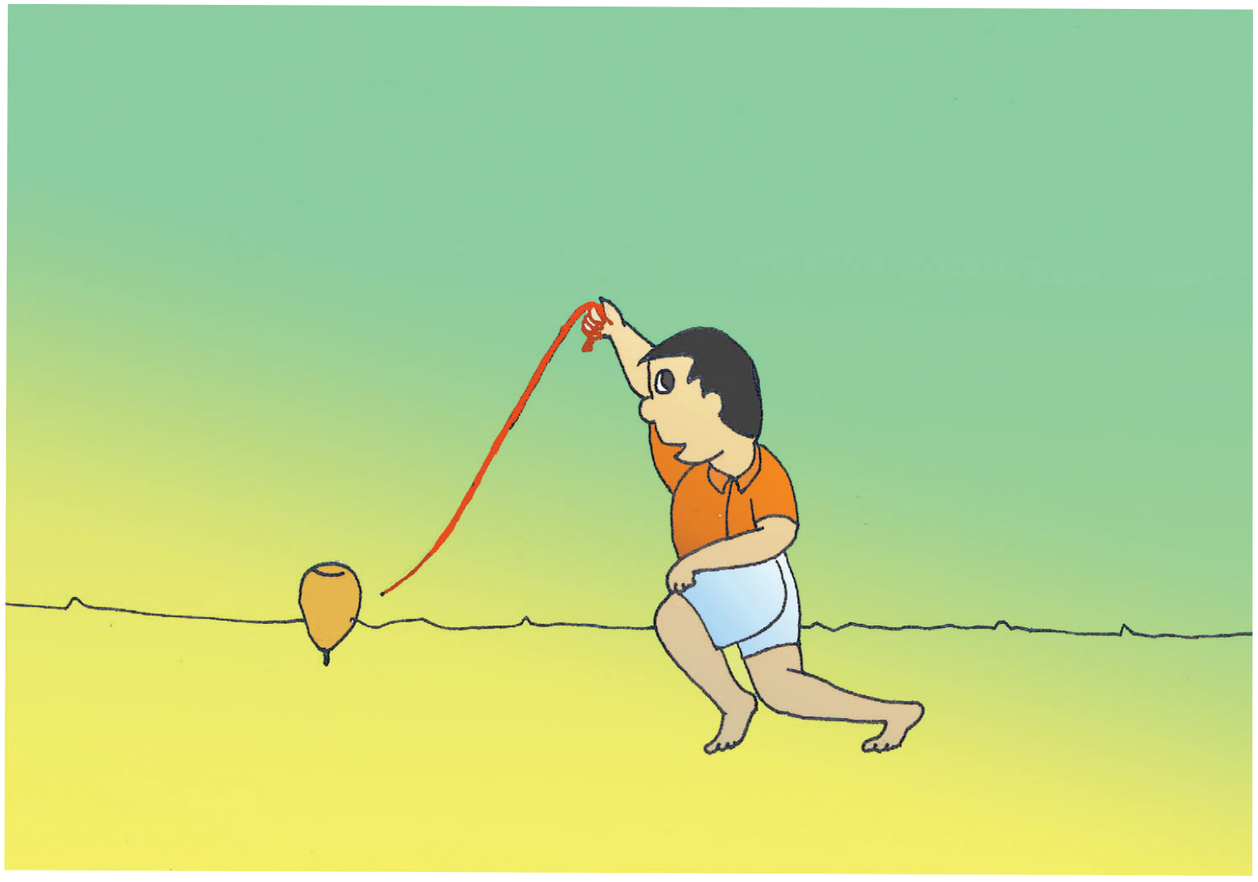

सत्यम बढ़ई ने राजू का भौंरा देखकर कहा–"बेटा राजू, भौंरा तो तुम्हारा बहुत अच्छा है। जाओ, अच्छे से अभ्यास करो।

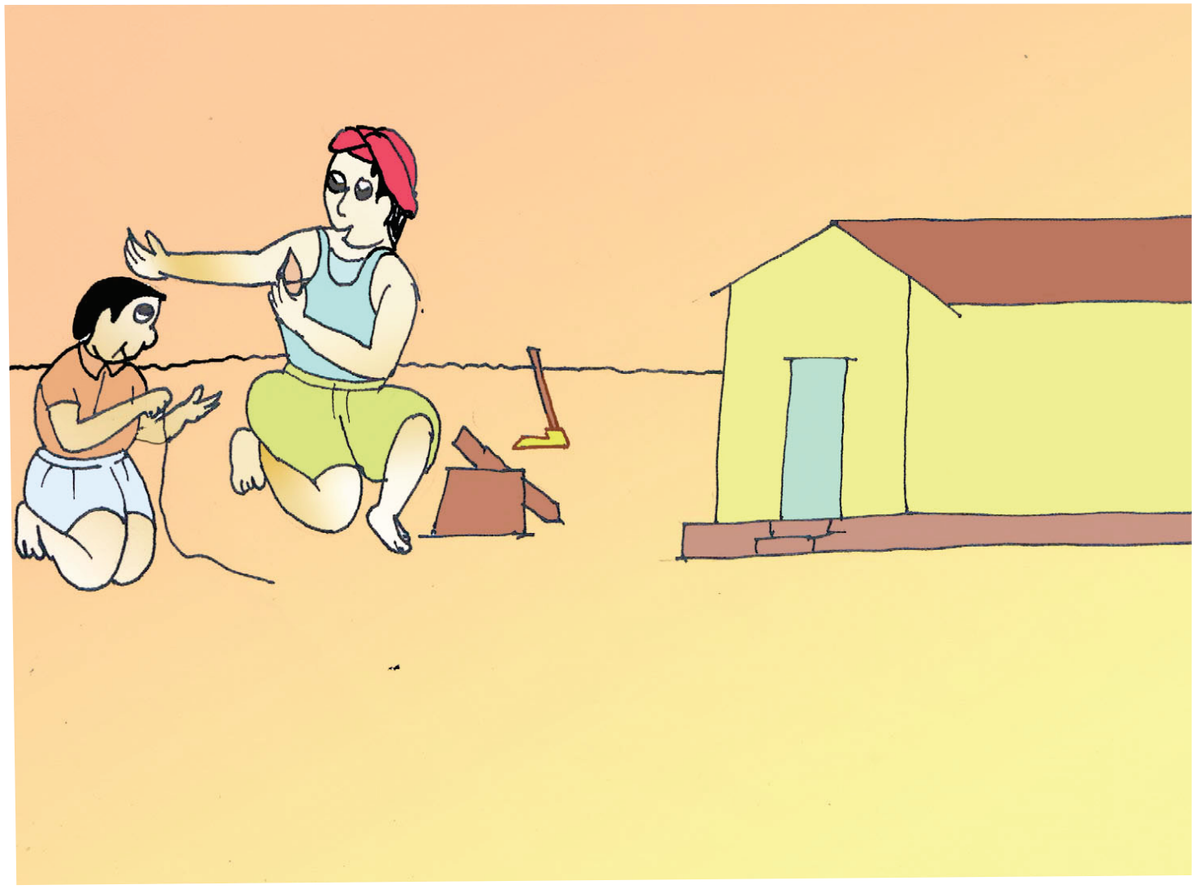

बच्चे उससे भौंरा लेते और भौंरा चलाने की प्रतियोगिता करते।

सोनू का भौंरा हमेशा पहला आता था। क्योंकि उसका भौंरा सबसे ज्यादा देर तक घूमता था। राजू दूसरे नम्बर पर रहता था।

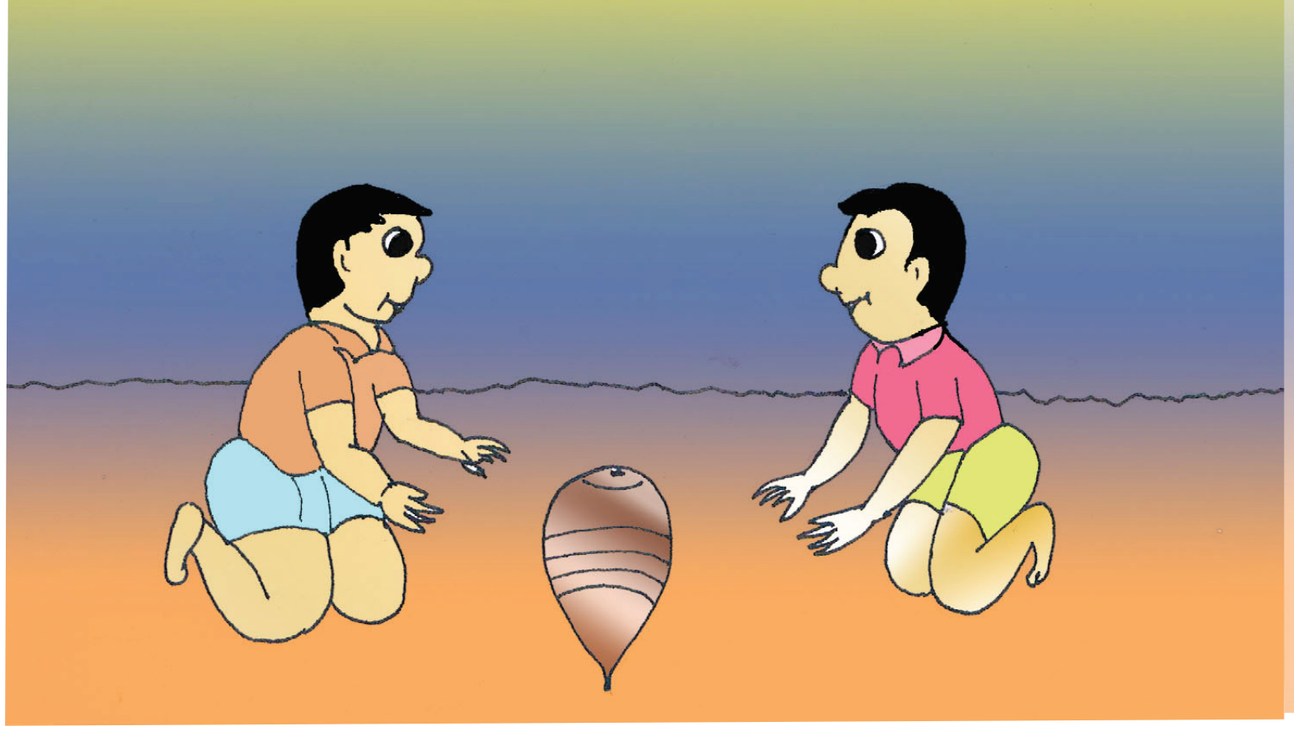

राजू ने सत्यम से कहा–"चाचाजी, मुझे सोनू के भौंरे के जैसा ही भौंरा चाहिए। मुझे भी पहला आना है।"